

4/11/82

गुडामालानी

पञ्जावली कलक चेरा हूँ घी प्राक्षीगण व
प्राक्षीगण के कछिवकता बहुपस्थित प्राक्षीगण
व प्राक्षीगण के कछिवकता के कोटु
समय में तीन बार तीन-तीन कषाजें
डिलाये गयी वावजूद काकोठे डिलाने
के बहुपस्थित रहने के उद्योग
उद्योग उद्योग प्राक्षीगण की कलक
हानी व कलक चेरा के रकारित
किया जाता है। पञ्जावली विधि
सुमार देकर साखिल स्फार है।

प

सहायक कलेक्टर, गुडामालानी

